09-09-2023

शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन पर

रिसर्चर्स को पुरस्कार वितरित कर किया गया सम्मानित

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक और अन्य वैज्ञानिकों को शर्करा उद्योग हेतु नयी प्रसंस्करण तकनीकों एवं उसके सह-उत्पादों से मूल्य वर्धित उत्पादों को विकसित करने में उसके असाधारण प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए। ये पुरस्कार केरल के तिरुवनंतपुरम में 6-8 सितंबर 2023 तक आयोजित किए जा रहे शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर श्री संजीव चोपड़ा, सचिव (खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण),भारत सरकार, द्वारा प्रदान किए गए। प्रो.नरेन्द्र मोहन, निदेशक और सुश्री शालिनी कुमारी, रिसर्चर्स फेलो को बॉयलरों की राख से सिलिका नैनो कणों को सफलतापूर्वक विकसित करने के लिए नोएल डीयर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर नरेन्द्र

मोहन, महेंद्र यादव और अमरेश प्रताप सिंह को ऊर्जा खपत पैटर्न में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली व उसके परिणामस्वरूप ईंधन की भारी बचत करने वाली मैकेनिकल वेपर रिकम्प्रेशन की तकनीक के लिए बंसीधर स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

प्रो.नरेन्द्र मोहन, निदेशक के नेतृत्व में अशोक गर्ग और अनुराग वर्मा की टीम को, स्टीम के उपयोग के बिना जूस कन्संट्रेशन के लिए एक नई तकनीक पर सफल परीक्षण किये जाने के प्रयास हेतु एसटीएआई रजत पदक से सम्मानित किया गया।

इस प्रकार के सम्मान निश्चित रूप से हम सभी को अभिप्रेरित करेंगे और संस्थान भविष्य में कई अन्य नवीन प्रौद्योगिकियों को सबके समक्ष प्रस्तुत करने की पूरी कोशिश करेगा, निदेशक ने कहा ।

नोएल डीयर गोल्ड मेडल व रजत पदक से किया सम्मानित

आज का कानपुर

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक और अन्य वैज्ञानिकों को शर्करा उद्योग हेतु नयी प्रसंस्करण तकनीकों एवं उसके सह-उत्पादों से मूल्य वर्धित उत्पादों को विकसित करने में उसके असाधारण प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए। ये पुरस्कार केरल के तिरुवनंतपुरम में 6 - 8 सितंबर 2023 तक आयोजित किए जा रहे शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर संजीव चोपड़ा, सचिव (खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण), भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए। प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन, निदेशक और शालिनी कुमारी, रिसर्च फेलो को बॉयलरों की राख से सिलिका नैनो कणों को सफलतापूर्वक विकसित करने के लिए नोएल डीयर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन, महेंद्र यादव और अमरेश प्रताप सिंह को ऊर्जा खपत पैटर्न में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली व उसके परिणामस्वरूप ईंधन की भारी बचत करने वाली मैकेनिकल वेपर रिकम्प्रेशन की तकनीक के लिए बंसीधर स्वर्ण पदक से

सम्मानित किया गया।प्रो. नरेन्द्र मोहन, निदेशक के नेतृत्व में अशोक गर्ग और अनुराग वर्मा की टीम को, स्टीम के उपयोग के बिना जूस कन्संट्रेशन के लिए एक नई तकनीक पर सफल परीक्षण किये जाने के प्रयास हेतु एसटीएआई रजत पदक से सम्मानित किया गया।इस प्रकार के सम्मान निश्चित रूप से हम सभी को अभिप्रेरित करेंगे और संस्थान भविष्य में कई अन्य नवीन प्रौद्योगिकियों को सबके समक्ष प्रस्तुत करने की पूरी कोशिश करेगा, निदेशक ने कहा ।

दैनिक [राष्ट्रीय] Email:-danikdeshmorcha93@gmail.com
कानपुर,शुक्रवार 8 सितम्बर 2023 6

वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर पदक से सम्मानित

दैनिक देश मोर्चा
संवाददाता मनी वर्मा

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक और अन्य वैज्ञानिकों को शर्करा उद्योग हेतु नयी प्रसंस्करण तकनीकों एवं उसके सह-उत्पादों से मूल्य वर्धित उत्पादों को विकसित करने में उसके असाधारण प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए ये पुरस्कार केरल के तिरुवनंतपुरम में 6-8 सितंबर 2023 तक आयोजित किए जा रहे शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर संजीव चोपड़ा, सचिव (खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण), भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए प्रो. नरेन्द्र मोहन, निदेशक और शालिनी कुमारी, रिसर्च फेलो को बॉयलरों की राख से ह्वसिलिका नैनो कणोंह्व को सफलतापूर्वक विकसित करने के लिए नोएल डीयर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन, श्री महेंद्र यादव और श्री अमरेश प्रताप सिंह को ऊर्जा खपत पैटर्न में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली व उस-के परिणामस्वरूप ईंधन की भारी बचत करने वाली ह्वमैकेनिकल वेपर रिकम्प्रेशनह्व की तकनीक के लिए बंसीधर स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया प्रो. नरेन्द्र मोहन, निदेशक के नेतृत्व में अशोक गर्ग और अनुराग वर्मा की टीम को, स्टीम के उपयोग के बिना जूस कन्सेंट्रेशन के लिए एक नई तकनीक पर सफल परीक्षण किये जाने के प्रयास हेतु एसट-'एआई रजत पदक से सम्मानित किया गया निदेशक ने कहा कि इस प्रकार के सम्मान निश्चित रूप से हम सभी को अभिप्रेरित करेंगे और संस्थान भविष्य में कई अन्य नवीन प्रौद्योगिकियों को सबके समक्ष प्रस्तुत करने की पूरी कोशिश करेगा।

सच की अहमियत कानपु

मूल्य वर्धित उत्पादों को विकसित करने पर मिला सम्मान

पंकज अवस्थी

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक और अन्य वैज्ञानिकों को शर्करा उद्योग हेतु नयी प्रसंस्करण तकनीकों एवं उसके सह-उत्पादों से मूल्य वर्धित उत्पादों को विकसित करने में उसके असाधारण प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए। ये पुरस्कार केरल के तिरुवनंतपुरम में 6-8 सितंबर 2023 तक आयोजित किए जा रहे शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर संजीव चोपड़ा, सचिव (खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण), भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए।

प्रो. नरेन्द्र मोहन, निदेशक और शालिनी कुमारी, रिसर्च फेलो को बॉयलरों की राख से सिलिका नैनो कणों को सफलतापूर्वक विकसित करने के लिए नोएल डीयर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन, महेंद्र यादव और अमरेश प्रताप सिंह को ऊर्जा खपत पैटर्न में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली व उसके परिणामस्वरूप ईंधन की भारी बचत करने वाली मैकेनिकल वेपर रिकम्प्रेशन की तकनीक के लिए बंसीधर स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। प्रो. नरेन्द्र मोहन, निदेशक के नेतृत्व में अशोक गर्ग और अनुराग वर्मा की टीम को, स्टीम के उपयोग के बिना जूस कन्सेंट्रेशन के लिए एक नई तकनीक पर सफल परीक्षण किये जाने के प्रयास हेतु एसटीएआई रजत पदक से सम्मानित किया गया। निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहा इस प्रकार के सम्मान निश्चित रूप से हम सभी को अभिप्रेरित करेंगे और संस्थान भविष्य में कई अन्य नवीन प्रौद्योगिकियों को सबके समक्ष प्रस्तुत करने की पूरी कोशिश करेगा ।

आदरणीय श्री संजीव चोपड़ा, सचिव, भारत सरकार (खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग) द्वारा संस्थान की टीम को आदरणीय निदेशक महोदय के नेतृत्व में शर्करा उद्योग के कचरे से नवीन प्रक्रिया तकनीकों और मूल्य वर्धित उत्पादों को विकसित करने के लिए नोएल डियर गोल्ड मेडल, बंशी धर गोल्ड मेडल और एस टी ए आई सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। प्रिय विद्यार्थियों, कर्मचारियों और अधिकारियों को हार्दिक बधाई !!!!! 😊😊😊🙏🙏🙏

शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन को मिला एक और गोल्ड मेडल

➪केरल में संपन्न हुए वार्षिक सम्मेलन में सम्मानित किए गए निर्देशक

नगराज दर्पण

समाचार

कानपुर। शुगर इंस्टिट्यूट को दिन पर दिन नए आयाम देने में एन एस आई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को वैसे तो कई बार सम्मानित किया जा चुका है लेकिन इस बार केरल में दो दिवसीय शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया की ओर से संपन्न हुए वार्षिक सम्मेलन में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण भारत सरकार के सचिव संजीव चोपड़ा द्वारा निदेशक नरेंद्र मोहन और शालिनी कुमारी को सिलिका को सफलतापूर्वक विकसित करने पर उन्हें गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया । इस अवसर पर निदेशक नरेंद्र मोहन की टीम में शामिल अशोक गर्ग व अनुराग वर्मा को भी रजत पदक देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि संजीव चोपड़ा ने गोल्ड मेडल विजेता प्रोफेसर नरेंद्र मोहन का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि शुगर टेक्नोलॉजी को जिस तेजी से आप प्रगति पर ले जा रहे हैं वह काफी काबिले तारीफ है लोगों को इनसे प्रेरणा लेकर कार्य करना चाहिए ताकि देश और ज्यादा तरक्की कर सके।

केरल में पुरस्कार प्राप्त करते एनएसआई के वैज्ञानिक।

एनएसआई के वैज्ञानिक किये गये पुरस्कृत

निदेशक नरेन्द्र मोहन नोएल डियर गोल्ड मेडल से सम्मानित

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 7 सितंबर। शर्करा उद्योग के लिये नयी प्रसंस्करण तकनीकों एवं उनके सह उत्पादों से मूल्य वर्धित उत्पादों को विकसित करने के लिये राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के निदेशक और अन्य वैज्ञानिकों को प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया। ये पुरस्कार केरल के तिरुवनंतपुरम में छह से आठ सितंबर तक आयोजित किये जा रहे शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर संजीव चोपड़ा (सचिव खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण) ने प्रदान किये। निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन और रिसर्च फेला सुश्री शालिनी कुमारी को बॉयलरों की राख से 'सिलिका नैनो कणों' को सफलतापूर्वक विकसित करने के लिये नोएल डियर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। प्रो. नरेन्द्र मोहन, महेन्द्र यादव और अमरेश प्रताप सिंह को ऊर्जा खपत पैटर्न में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली व उसके परिणामस्वरूप ईंधन की भारी बचत करने वाली 'मैकेनिकल वेपर किम्प्रेशन' की तकनीक के लिये बंशीधर स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। वहीं अशोक गर्ग व अनुराग वर्मा की टीम को स्टीम के उपयोग के बिना कंस्ट्रक्शन के लिये एक नई तकनीक पर सफल परीक्षण किये जाने के प्रयास हेतु एसटीएआई रजत पदक से सम्मानित किया गया।

देश के प्रतिष्ठित पुरस्कारों से राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के डायरेक्टर नरेंद्र मोहन और उनकी टीम सम्मानित।

दैनिक निष्पक्ष पोस्ट।

कानपुर। उ.प्र। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक नरेंद्र मोहन और अन्य वैज्ञानिकों को नए प्रसंस्करण तकनीक व उसके सहयोग पदों में मूल्य वर्धित उत्पादों को विकसित करने में उनके असाधारण प्रयासों के फलस्वरुप प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया केरल के तिरुअनंतपुरम में आयोजित शुगर टेक्नोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में संजीव चोपड़ा सचिव(खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण) भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया

प्रोफेसर नरेंद्र मोहन और सुश्री शालिनी कुमारी रिसर्च फेलो को बॉयलर की राख से सिलिका नैनो कण' के लिए नोएल डियर गोल्ड मेडल से नवाजा गया।

ऊर्जा खपत पैटर्न में बदलाव के लिए प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ,महेंद्र यादव और अमरेश प्रताप सिंह को ईंधन की भारी बचत के लिए मैकेनिकल पेपर रिकंप्रेशन टेक्नोलॉजी के लिए बंशीधर गोल्ड मेडल दिया गया डायरेक्टर नरेंद्र मोहन की डायरेक्शन में अशोक गर्ग, अनुराग वर्मा को स्टीम के उपयोग के बिना जूस कंसट्रिशन की नई तकनीक डेवलप के प्रयास के लिए अळअक रजत पदक से सम्मानित किया गया

एनएसआइ के तीन अनुसंधानों को पुरस्कार

जासं, कानपुर : शुगर टेक्नोलाजिस्ट एसोसिएशन आफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के विज्ञानियों के तीन अनुसंधानों को पुरस्कार के लिए चुना गया है। संस्थान के निदेशक व शोध विज्ञानियों को दो स्वर्ण और एक रजत पदक मिला है।

केरल के तिरुवनंतपुरम में शुगर टेक्नोलाजिस्ट एसोसिएशन आफ इंडिया के दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन के दौरान खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के सचिव संजीव चोपड़ा ने पुरस्कार वितरित किए हैं। एनएसआइ के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन और रिसर्च फेलो शालिनी कुमारी को चीनी मिलों के बायलर की राख से सिलिका नैनो कणों को सफलतापूर्वक विकसित करने के लिए नोएल डीयर गोल्ड मेडल दिया गया है। दूसरा स्वर्ण पदक प्रो. नरेन्द्र मोहन, महेंद्र यादव और अमरेश प्रताप सिंह को ऊर्जा खपत पैटर्न में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली मैकेनिकल वेपर रिकंप्रेशन तकनीक के लिए दिया गया है। इस तकनीक से ईंधन की बड़ी बचत करना संभव हो सका है।

निदेशक ने बताया कि तीसरा पुरस्कार एसटीएआइ रजत पदक है, जो भाप का प्रयोग किए बगैर गन्ना रस सांद्रता तकनीक का विकास है। यह प्रयोग संस्थान के विज्ञानी अशोक गर्ग और अनुराग वर्मा की टीम ने किया है।

शुगर टेक्नोलाजिस्ट एसोसिएशन आफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में सम्मानित राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के विज्ञानी और निदेशक प्रो.नरेंद्र मोहन (दाएं से पहले) ● संस्थान

The Pioneer

09.09.2023-eng...

Prof Narendra Mohan, Shalini Kumari conferred Noel Deerr Gold Medal

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Prof Narendra Mohan, Director National Sugar Institute (NSI) and Shalini Kumari, research fellow were conferred Noel Deerr Gold Medal for successfully developing 'silica nanoparticles' from ash of the boilers. The award was conferred during the annual convention of The Sugar Technologists Association of India at Thiruvananthapuram, Kerala. The director and other scientists from NSI were also conferred prestigious awards for their extraordinary efforts in developing innovative process techniques and value-added products from the byproducts from the sugar industry. The awards were handed over by Sanjiv Chopra, Secretary (Food & Public Distribution) Government of India during the annual convention. Others who bagged the award were Mahendra Yadav and Amresh Pratap Singh who were given Bansi Dhar Gold Medal for the technology of 'Mechanical Vapour Recompression' which will revolutionise the energy consumption patterns resulting in huge savings of fuel. The team led by Prof Mohan conducted successful trials on a novel technology for juice concentration without use of steam which was conferred STAI Silver Medal for their effort. Recognition in such a manner is definitely going to charge all of the team members and institute will try its level best to put forth many other innovative technologies in future. Speaking on 'silica nanoparticles' Prof Mohan said sugarcane bagasse contained abundant silica so it can be used as an alternative source of silica nanoparticles. He said sugarcane bagasse was calcined at 650 degreee C for two hours and then it was extracted using NaOH to obtain sodium silicate solution. He said the solution was titrated with HCl for gelling process. He said their absorptive properties make them useful in papermaking as a drainage aid and they can serve as a binding agent in the manufacture of rubber, plastics and concrete. He said most notably they were stable and non-toxic materials with innumerable applications in biomedicine.

He said the result of research indicated that the amount of SiO_2 present in the raw sugarcane bagasse ash was 53.10 per cent while the silica composition in acid treatment sample was 88.13 per cent. He said the FTIR pattern of extracted sodium silicate showed a similar spectrum with the commercial pattern of sodium silicate.

NSI director gets gold medal at sugar convention

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: Director and other scientists from National Sugar Institute, Kanpur were conferred prestigious awards for their extraordinary efforts in developing innovative process techniques and value added products from by products from the sugar industry.

The awards were given during the annual convention of the Sugar Technologists Association of India being held at Thiruvananthapuram from 6-8th September 2023. Director, National Sugar Institute, Professor Narendra Mohan and research fellow Shalini Kumari were conferred Noel Deerr Gold Medal for successfully developing 'Silica Nano Particles' from ash of the boilers.

Prof. Mohan, Mahendra Yadav and Amresh Pratap Singh were awarded Bansi Dhar Gold Medal for the technology that will revolutionize the energy consumption patterns resulting in huge savings of fuel.

Link for Digital News

केरल के तिरुवंतपुरम में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर ने पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया।